Acharya Devvrat
Governor
Himachal Pradesh

सत्यमेव जयते

आचार्य देवव्रत
राज्यपाल
हिमाचल प्रदेश

सन्देश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि स्वर्गीय बाबू मूल चंद जैन जी की जन्म शताब्दी के अवसर पर एल.एम.एल.–मूल चंद जैन धर्मार्थ न्यास तथा बाबू मूल चंद जैन शताब्दी समारोह समिति एक स्मारिका का प्रकाशन कर रही है।

बाबू मूल चंद जैन जी एक सच्चे देश भक्त और महान स्वतंत्रता सैनानी थे, जिन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी से प्रेरणा लेकर गरीबों, दलितों और पिछड़े वर्गों के कल्याण व उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य किया। आजीवन निःस्वार्थ भाव से समाज की सेवा की, यही वजह है कि उन्हें 'हरियाणे का गांधी' कहा जाता है। उन्होंने न केवल सामाजिक कार्यकर्ता व गांधीवादी नेता के रूप में ख्याति पाई बल्कि मूल्य परक राजनीतिज्ञ व विचारक के रूप में भी अपनी पहचान कायम की ।

बाबू मूल चंद जैन स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़कर अनेकों बार जेल गए। रोहतक का आसौद्धा सत्याग्रह, भारत छोड़ो आन्दोलन जैसे कितने ही उदाहरण आज युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। देश भक्ति का यह जज्बा बिरले ही लोगों में देखने को मिलता है, जिस पर हम सब देशवासियों को गर्व है।

उच्च पद की कभी उन्हें दरकार नहीं रही। गरीबों और बेसहारा लोगों के हक व न्याय के लिए संघर्ष करना अपनी जिम्मेदारी समझते थे, जिसके लिए वे किसी भी हद तक जा सकते थे। यही मादा प्रजातांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए उनमें था। उच्च पद पर रहते हुए भी अहंकार व दंभ उन्हें छूं न सका।

मुझे ऐसे महान शख्स के सानिध्य में सीखने का मौका मिला । दिलों पर राज करना उनकी विशेषता थी । गुरूकुल और आर्य समाज से विशेष लगाव के चलते ही मुझे उनके करीब जाने का मौका मिला ।

मैं न्यास के इन प्रयासों की सराहना करता हूँ और आशा करता हूँ कि देश के इस महान सपूत व सामाजिक कार्यकर्ता से भावी पीढ़ी निश्चित तौर पर सीख लेगी, जो समाज को नई दिशा देने में सहायक होगी । न्यास भविष्य में भी अपने प्रयासों को जारी रखेगा, ऐसी कामना करता हूँ।

श्रद्धेय बाबू मूल चंद जैन जी की याद में मैं अपने श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ।

(देवव्रत)

राज भवन, शिमला-171002
Raj Bhavan, Shimla-171002
0177-2624840, 2624451
governorsecy-hp@nic.in